मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 09 अगस्त 2016

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	10/08/16	11/08/16	12/08/16	13/08/16	14/08/16
वर्षा (मि.मी.)	5	6	7	7	6
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	31	31	32	32	33
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	26	27	27	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	5	6	5	6	6
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	98	96	94	94	92
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	48	46	46	44	42
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	10	12	13	12	10
हवा की दिशा	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
मूंग, मोठ, तिल, ग्वार	वानस्पतिक	पांच दिनो तक वर्षा की सम्भावना को देखते हुए। किसान भाई मूंग, मोठ, तिल, ग्वार आदि फसलों में आवश्यकता से अधिक पानी को खेत से बाहर निकालें। फसल में पौध रसायनो का छिड़काव मौसम साफ होने के बाद ही करें।
खरीफ फसलें	वानस्पतिक	खरीफ फसलों को सफेद लट के प्रकोप से बचाने के लिए वर्षा के दिन क्यूनालफास 1.5 प्रतिशत पाउडर की 20–25 किलो ग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकें।
ज्वार		ज्वार की फसल में बुवाई के 30 दिनों के बाद 15 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर दें।
बेर		इस समय बेर के पौधों पर चेफर बीटल कीट के प्रकोप की सम्भावना अधिक होती है। अतः नियत्रण के लिए कार्बोरिल 50 डब्लू.पी. चार ग्राम मात्रा का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।
पशु		बरसात के मौसम में पशुशाला को सूखा रखें तथा पशुओं को सीधी वर्षा से बचाएं ।

(नौडल ऑफीसर)